भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2245

उत्तर देने की तारीख : 12.02.2026

महाराष्ट्र के अकोला और वाशिम जिलों में एमएसएमई विकास

2245. श्री अनूप संजय धोत्रेः

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महाराष्ट्र के अकोला और वाशिम जिलों में क्षेत्र-वार पंजीकृत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की संख्या कितनी है;

(ख) अकोला और वाशिम में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की गई विभिन्न योजनाएं और पहल क्या हैं तथा प्रदान किए गए वित्तपोषण, सब्सिडी और अन्य सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) अकोला और वाशिम में एमएसएमई के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों, जैसे ऋण तक पहुंच, प्रौद्योगिकी उन्नयन और विपणन सहायता, के समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) अकोला और वाशिम में एमएसएमई क्लस्टर या पार्क स्थापित करने में हुई प्रगति तथा ऐसी परियोजना से स्थानीय एमएसएमई को होने वाले अपेक्षित लाभ का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) अकोला में युवाओं और महिलाओं के बीच उद्यमिता तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए क्या योजना हैं और जिले में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए क्या पहल की गई है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) : उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर उपलब्ध डेटा के अनुसार, दिनांक 31.01.2026 तक की स्थिति के अनुसार महाराष्ट्र के अकोला और वाशिम जिलों में, पंजीकृत अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों (आईएमई) सहित, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) का क्षेत्र-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

एमएसएमई की क्षेत्र-वार संख्या				
क्र॰सं॰	**जिला**	**विनिर्माण**	**सेवाएं**	**व्यापार**
1	**अकोला**	28,293	44,010	56,633
2	**वाशिम**	14,910	21,917	30,228

(ख) और (ग) : केंद्र सरकार, महाराष्ट्र में अकोला और वाशिम जिलों सहित, देश में एमएसएमई के समग्र विकास और संवर्धन के लिए विभिन्न स्कीमों, कार्यक्रमों और नीतिगत पहलों के माध्यम से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के प्रयासों में सहायता प्रदान करती है।

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को ऋण तक पहुंच, प्रौद्योगिकी उन्नयन और विपणन सहायता प्रदान करने के लिए, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय विभिन्न स्कीमों को एकीकृत, समन्वित और अभिसरित करने के लिए एमएसएमई चैंपियंस स्कीम क्रियान्वित करता है। एमएसएमई चैम्पियंस स्कीम के तहत 3 घटक है, जिनमें एमएसएमई-सस्टेनेबल (ज़ेड) प्रमाणन स्कीम, एमएसएमई-कंपेटिटिव (लीन) स्कीम, एमएसएमई- इनोवेटिव (इंक्यूबेशन, डिजाइन और आईपीआर) स्कीम और खरीद एवं विपणन सहायता (पीएमएस) स्कीम शामिल है।

- प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों को ग्रामीण क्षेत्र में परियोजना लागत के 25% तक और शहरी क्षेत्रों में 15% तक की मार्जिन मनी (एमएम) सब्सिडी के साथ सहायता प्रदान की जाती है। विशेष श्रेणी के लाभार्थियों के लिए, ग्रामीण क्षेत्रों में 35% और शहरी क्षेत्रों में 25% तक मार्जिन मनी सब्सिडी प्रदान की जाती है। विगत पाँच वर्षों (वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक) के दौरान, महाराष्ट्र के वाशिम और अकोला जिलों में क्रमश: 219 और 268 सूक्ष्म उद्यमों को सहायता प्रदान की गई है।

- एमएसएमई मंत्रालय एमएसई को दिए गए ऋणों के लिए क्रेडिट गारंटी प्रदान करने हेतु सूक्ष्म और लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) क्र माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम (सीजीएस) कार्यान्वित करता है। स्कीम के तहत गारंटी कवरेज की अधिकतम सीमा 10 करोड़ रुपए है। इस स्कीम की शुरुआत से दिनांक 31.01.2026 तक, वाशिम और अकोला जिलों में सीजीएस के तहत एमएसई को प्रदान की गई क्रेडिट गारंटियों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है:

	अनुमोदित गारंटियों की संख्या	**अनुमोदित राशि (करोड़ रुपए में)**
अकोला	10,397	1,079
वाशिम	4,710	333

- खरीद और विपणन सहायता (स्कीम) के तहत अकोला में तीन प्रदर्शनियों को अनुमोदन प्रदान किया गया है।

(घ) : सूक्ष्म और लघु उद्यम-क्लस्टर विकास कार्यक्रम (एमएसई-सीडीपी) स्कीम के तहत, महाराष्ट्र राज्य में नए/मौजूदा औद्योगिक एस्टेटों (आईआईडी) में 18 सामान्य सुविधा केन्द्रों और 5 संरचनात्मक सुविधाओं को पूरा किया गया है। आज की स्थिति के अनुसार अकोला और वाशिम जिलों में कोई परियोजना शुरू नहीं की गई है।

(ङ) : स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करने और उद्यमिता क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए, मंत्रालय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) और उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) का क्रियान्वयन करता है। विगत तीन वर्षों के दौरान, दोनों जिलों में आठ उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रमों (ईएपी) और छह उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रमों (ईएसडीपी) का आयोजन किया गया है।

*****